विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – पंचम् **दिनांक -17-10-2020**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज पाठ – 14-गुलिवर पहुँचे लिलिपुटियन के देश में नामक शीर्षक के बारे में अध्ययन करेंगे ।

कुछ देर बाद मैंने देखा कि मेरे शरीर पर उसी तरह के लगभग सैकड़ों
आदमी चढ़ आए। मैं जोर से चिल्ला उठा- " कौन हो तुम लोग?" मेरा
चिल्लाना सुनकर वे लोग चीखते-चिल्लाते हुए भागे।
मैंने उठने की कोशिश की, तो कुछ धागे टूट गए। यह देखकर कुछ
लोगों ने मुझ पर तीर चलाना आरंभ कर दिया। वे तीर सुई की तरह
पतले-पतले थे। मैंने सोचा " चुपचाप लेटे रहना ही अच्छा है।"
अब उन अद्भुत प्राणियों ने तीर चलाना बंद कर दिया। उनमें से
कहने
एक कुछ दूर ऊँचाई पर खड़े होकर जोर-जोर से चिल्लाकर कुछ
लगा। मैंने हाथ से मुँह की ओर इशारा करके बताया कि मैं भूखा हूँ। वे
लोग मेरा इशारा समझ गए। उन लोगों ने मेरे मुँह के पास सीढ़ी लगा दी
और सैकड़ों लोग टोकरियों में सामान ला-लाकर मेरे मुँह में डालने लगे।
मैंने पानी पीने का इशारा किया तो उन्होंने कई पीपे पानी मेरे मुँह में उड़ेल
दिए। वे लोग बहुत आश्चर्य से मुझे देख रहे थे और सोच रहे थे कि
इसका यह पेट है कुआँ।
थोड़ी देर में सौ सो गया।

जब मेरी नींद खुली तो एक गाड़ी में मुझे

रखकर कहीं ले जाया जा रहा था।

उन छोटे-छोटे लोगों की विशालकाय

भीड़ हथियार लेकर मेरे साथ-साथ चल रहीं

थी। मैं समझ गया कि मुझे बंदी बना लिया

गया है। अब मुझे पता चला कि यह लिलिपुट

द्वीप है।

लिलिपुट के सभी मकान तो बिलकुल

खिलौने जैसे थे। वहाँ के बादशाह ने मुझे एक

पुराने मंदिर में कैद कर लिया। इस जगह में

शेष कल अध्ययन करेंगे।

गृहकार्य

(1) इस कहानी के नायक कौन है?
(2) पूर्वी द्वीप जाते हुए उसके साथ क्या हुआ?